अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद

कार्यालय - युवालोक, जैन वि-व भारती, लाडनूं (राज.)

म.उंपस रू जमतंचंदजीउमकपं/लींववण्बवण्पद

-

2010 के चतुर्मास की अर्ज करने उमड़े सरदारशहर वासी

अर्जी पर आचार्य महाप्रज्ञ की मर्जी

चतुर्मास की घोषणा के साथ जयकारों से गूंजा विशाल पंडाल

बीदासर, 25 जनवरी, 2009।

तेरापंथ की राजधानी सरदारशहर की 2010 चतुर्मास हेतु जोरदार अर्ज पर राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने मर्जी कराते हुए अपना अगला चतुर्मास सरदारशहर में करने की घोषणा की। घोषणा के साथ ही बड़ी संख्या में अर्ज लेकर संघ के रूप में उपस्थित हुए सरदारशहर के लोगों ने जयकारों से विशाल प्रवचन पंडाल को गूंजा दिया। घोषणा की प्रसन्नता से प्रत्येक चेहरे प्रफुल्लित दिख रहे थे।

राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने 2010 के चतुर्मास हेतु विभिन्न क्षेत्रों की आई अर्जी का उल्लेख करते हुए कहा कि गंगाशहर आदि अनेक क्षेत्र हमारे चतुर्मास की अर्ज कर रहे हैं। सरदारशहर के लोग भी उपस्थित हैं। सब पहले हमारे चतुर्मास में क्या विशेष कार्य होंगे इसकी योजना प्रस्तुत करें। योजना ऐसी हो जिससे सम्पूर्ण राष्ट्र लाभान्वित हो सके। राष्ट्र के शीर्ष राजनेता, धर्मगुरु और प्रत्येक कौम का व्यक्ति हमारे से जुड़ा हुआ है। जिस योजना में समाज, देश और धर्मसंघ की अभिवृद्धि करने वाला चिंतन होगा उस पर चिंतन कर सकते हैं।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने कहा कि हमारे सारे कार्यक्रमों का निर्धारण युवाचार्य महाश्रमण करते हैं अपनी योजना इनको बता दें। अब इनको ही सोचना है अगला चतुर्मास कहां करना है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने सरदारशहर के लोगों, साधु-साध्वियों की जोरदार अर्ज एवं युवाचार्य महाश्रमण की जन्म भूमि, दीक्षा भूमि को ध्यान में रखते हुए कहा कि हमारी एक नीति है कि हमारे चतुर्मास की घोषणा विकास महोत्सव के दौरान की जायेगी। किंतु उत्साहपूर्ण वातावरण को देखते हुए द्रव्य, क्षेत्र, काल एवं स्वास्थ्य की अनुकूलता रहने पर 2010 का चतुर्मास सरदारशहर करने का विचार है।

इससे पूर्व युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि सरदारशहर स्वनाम प्रतिष्ठित क्षेत्र है। मैं आगे की यात्रा का चिंतन करता हूं तो मन में रहता है जिन क्षेत्रों ने धर्मसंघ की सेवा की है, उनको पूज्य गुरुदेव का लंबा प्रवास मिलना चाहिए। बीदासर का गौरवपूर्ण स्थान है। यहां पर तीन बड़े कार्यक्रम हो रहे हैं और भी अनेक क्षेत्र है। उनमें सरदारशहर भी एक क्षेत्र है। चतुर्मास के जिन प्रमुख क्षेत्रों की सूचि है उनमें सरदारशहर का नाम भी होना चाहिए।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा ने चुटकी लेते हुए कहा कि आज इतनी भीड़ क्यों है। लगता है सरदारशहर के लोगों में आत्मविश्वास की कमी है कि गुरुदेव पधारेंगे या नहीं इसलिए इतनी भीड़ लेकर आना पड़ा है। साध्वी प्रमुखाजी के इस कथन के साथ ही पूरा पंडाल ठहाकों से गूंज उठा।

प्रमुखाश्री ने आगे कहा कि सरदारशहर के लोगों ने अपनी तरफ से अर्ज करने के लिए कहा है। पर मैं कैसे सरदारशहर की तरफ से अर्ज करूं। न मेरी जन्म भूमि है और न दीक्षा भूमि। मैंने इस पर चिंतन किया कि सरदारशहर के साथ मेरा क्या रिस्ता है। तब याद आया पारमार्थिक शिक्षण संस्था में प्रवेश सरदारशहर से ही पाया था इसलिए सरदारशहर से मेरा एक नाता जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि सरदारशहर के पास जनबल है, धन बल है और बुद्धिबल है।

मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने जैसे ही बोलना प्रारंभ किया पूरा वातावरण सरस बन गया और लोगों में विश्वास पैदा हो गया था कि सरदारशहर की इच्छा पूर्ण हो जायेगी।

राजस्थान में तेरापंथ के एक मात्र नवनिर्वाचित विधायक श्री अशोक पींचा, श्री सुरेन्द्र दूगड़, श्री सुमति गोठी, श्री छगनमल शास्त्री के नेतृत्व में सरदारशहर की भावपूर्ण अर्ज हुई। सरदारशहर मुनियों की ओर से मुनि उदित कुमारजी, साध्वियों की तरफ से साध्वी सुमतिप्रभाजी ने अपने विचार रखे। सरदारशहर की साध्वियों, समणियों ने सामूहिक गीत ''हे गणनायक करुणाकर सुण लो म्हारी अर्जी'' के द्वारा अपनी भावनाएं रखी। तेरापंथ कन्या मण्डल, ने ''आया लेवण ने चौमासो'' गीत प्रस्तुत किया। आदर्श साहित्य संघ के अध्यक्ष श्री नवरत्न दूगड़, जतनमल सेठिया, श्रीमती कांता चण्डालिया ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के पूर्व अध्यक्ष श्री रतन दूगड़ ने किया।

इसके अलावा कार्यक्रम में सरदारशहर निवासी गुवाहाटी प्रवासी श्री बिमल कुमार नाहटा, जयपुर प्रवासी श्री सम्पत बच्छावत, कोलकाता प्रवासी श्री चैनरूप चिण्डालिया, श्री सुरेन्द्र बोरड़ समेत आदि गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित थे। तारानगर के पूर्व विधायक चन्दशेखर बैद ने आचार्य श्री महाप्रज्ञ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

- अशोक सियोल

मीडिया प्रतिनिधि

9982903770